Vedanta Stocks: शेयर बाजार बंद होने के बाद वेदांता ने किया हिस्सा बेचने का एलान, एक्सचेंज पर दी जानकारी

Vedanta Share: वेदांता लिमिटेड के शेयर में आज पूरे दिन बढ़िया खरीदारी देखने को मिली. शेयर सुबह ही मजबूत ओपनिंग के साथ 697.10 रुपये पर खुला और थोड़ी देर में ही 707.35 रुपये के हाई तक पहुंच गया. इसे लेकर दिन भर निवेशकों के बीच पॉजिटिव सेंटिमेंट बना रहा. आखिर में शेयर 3% उछलकर 705 रुपये के स्तर पर बंद हुआ.

वेदांता के शेयर ने सोमवार को ज़बरदस्त तेजी दिखाई. पिछले बंद भाव 684.15 रुपये के मुकाबले शेयर 697.10 रुपये पर खुला और इंट्रा-डे में 707.35 रुपये तक पहुंच गया. आखिर में शेयर 3% चढ़कर 705 रुपये पर बंद हुआ. कंपनी का स्टॉक पिछले एक महीने में 20% और तीन महीने में 46% उछल चुका है. लेकिन बाजार बंद होने के तुरंत बाद वेदांता से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई जिसने निवेशकों की नजरें और भी तेज कर दीं.

शेयर की यह तेजी अचानक नहीं है. बीते एक महीने में शेयर 20% चढ़ चुका है और पिछले तीन महीनों में यह 46% की रैली दिखा चुका है. यानी वेदांता का स्टॉक लगातार बेहतर ट्रेंड में है और निवेशक इसमें भरोसा दिखा रहे हैं.

बाजार बंद होने के कुछ ही देर बाद कंपनी ने एक बड़ा खुलासा किया. वेदांता ने स्टॉक एक्सचेंजों को जानकारी दी कि उसके बोर्ड की कमेटी ने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL) में अपनी हिस्सेदारी बेचने का फैसला मंजूर कर दिया है.

कंपनी ने बताया कि वह 6,70,00,000 (6.70 करोड़) शेयर बेचेगी, जो HZL की कुल इक्विटी का 1.59% है. कीमत देखें तो करीब ये 4500 करोड़ रुपये के शेयर है. यह सेल Offer for Sale (OFS) के जरिए होगी. कंपनी ने यह कदम SEBI के नियमों के मुताबिक लिया है. यह जानकारी Vedanta की कमेटी ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा 27 जनवरी 2026 को शाम 4:15 बजे मंजूर की गई.

OFS के लिए फ्लोर प्राइस 685 रुपये प्रति शेयर तय किया है. Hind Zinc का OFS 28 और 29 जनवरी को खुलेगा.

इसका वेदांता के शेयर पर क्या असर?

हिंदुस्तान जिंक वेदांता की एक प्रमुख सहायक कंपनी है. HZL की हिस्सेदारी बेचने का मतलब है.वेदांता नकदी जुटाने की कोशिश कर रही है. कंपनी अपनी बैलेंस शीट को और मजबूत करना चाहती है. फंड रेज़िंग से कर्ज कम करने में मदद मिल सकती है.

निवेशक आमतौर पर ऐसे कदम को मिक्स्ड अंदाज़ में देखते हैं

-एक तरफ कैश फ्लो सुधरने की उम्मीद

-दूसरी तरफ HZL में हिस्सेदारी कम होने की चिंता

लेकिन फिलहाल बाजार इसे सकारात्मक तरीके से ले रहा है क्योंकि वेदांता पहले भी डीलिस्टिंग और डिवेस्टमेंट से संबंधित चर्चा में रहा है, और कंपनी बैलेंस शीट सुधार पर ध्यान दे रही है.

स्टॉक की तेज रफ्तार क्यों ?

कमोडिटी कीमतों में सुधार

कैश फ्लो के बेहतर होने की उम्मीद

कर्ज घटाने की कोशिशें

HZL में हिस्सेदारी बिक्री की तैयारी (जिसकी बाजार को उम्मीद भी थी)

निवेशकों की लंबी अवधि की बुलिश पोजिशन

आगे क्या?

विशेषज्ञों की राय है कि वेदांता का शेयर अब भी मोमेंटम में है और HZL हिस्सेदारी बिक्री का असर अगले कुछ सेशनों में साफ दिखेगा. OFS की प्राइसिंग, डिमांड और मार्केट सेंटिमेंट इस स्टॉक की अगली दिशा तय करेंगे.